<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 1311

11 फरवरी, 2019 को उत्तर के लिए

कोकिंग कोल की आवश्यकता

1311. श्री अभिजित मुखर्जीः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2014 से 18 की अवधि के लिए वार्षिक रूप से कोकिंग कोल की आवश्यकता की कुल मात्रा कितनी है;

(ख) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा संचालित तीन खानों से कोकिंग कोल का कुल कितना उत्पादन हुआ है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान कोकिंग कोल का वर्ष-वार कुल कितना आयात किया गया और इस पर कितना वार्षिक व्यय आया है; और

(घ) देश में तीन खानें होने के बावजूद भी कोकिंग कोल के भारी मात्रा में आयात करने के क्या कारण हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): वर्ष 2014-18 की अवधि हेतु इस्पात क्षेत्र के कोकिंग कोल की अनुमानित वार्षिक आवश्यकता क्रमशः 45.36 एमटी, 47.84 एमटी, 48.45 एमटी और 50.46 एमटी थी।

(ख): वर्ष 2014-18 के दौरान सेल के 3 कैप्टिव कोकिंग कोल खानों से प्राप्त कच्चे कोकिंग कोल के उत्पादन संबंधी ब्यौरे निम्नवत् हैं:

(मिलियन टन में)

वर्ष	चसनल्ला	जितपुर	तसरा	कुल
2014-15	0.325	0.092	0.024	0.441
2015-16	0.483	0.075	-	0.558
2016-17	0.455	0.085	-	0.540
2017-18	0.323	0.093	0.184	0.600

(ग): वर्ष 2014-18 की अवधि के दौरान सेल द्वारा आयातित कोकिंग कोल और इस पर वर्षवार किया गया व्यय निम्नवत् है:-

वर्ष	**आयात मात्रा (एमटी)**	**कुल लागत (करोड़ रुपये में)**
2014-15	13.87	12749
2015-16	13.12	10448
2016-17	11.98	13871
2017-18	13.92	20542

(घ): स्वदेशी स्रोतों से प्राप्त कोकिंग कोल की संपूर्ण उपलब्धता सेल इस्पात संयंत्रों की आवश्यकता को पूरा करने हेतु अपर्याप्त है। सेल की कुल कोकिंग कोल आवश्यकता और कोकिंग कोल की स्वदेशी उपलब्धता, मात्रात्मकता के साथ-साथ गुणवत्ता दोनों संदर्भों में, के बीच के अंतराल को पाटने के उद्देश्य से सेल को विभिन्न स्रोतों से लो ऐश कोकिंग कोल के आयात की आवश्यकता है।

****